हरि नाम थोड़ा गा ले | By Sanjay Chauhan |

गर जीतना है जग को
हरि नाम थोड़ा गा ले
हरि नाम में ही रम जा
हरि में ही मन लगा ले

जबसे जनम ले बन्दे
संसार में तू आया
तबसे हरि के गुण तू
एक बार भी न गाया
क्या सोचता दीवाने
जीवन सफल बना ले
हरि नाम में ही रम जा
हरि में ही मन लगा ले

जग को तो तूने देखा
खुद को न देख पाया
मंदिर में जाके हरि को
पहचान भी न पाया
तुझे और क्या बताऊँ
तेरी तू ही भाग्य जाने
हरि नाम में ही रम जा
हरि में ही मन लगा ले

माया के फेर में तू
सत्कर्म ऐसा भूला
गिनता रहा तू दौलत
सुख-चैन सारा छूटा
मन और न तू भटका
चरणों में सिर झुका ले
हरि नाम में ही रम जा
हरि में ही मन लगा ले

बाहर की दुनिया देखी
मन में कभी न झाँका
काया के उजलेपन को
तूने सदा निहारा
क्यों देखता है दर्पण
मन का भ्रम मिटा ले
हरि नाम में ही रम जा
हरि में ही मन लगा ले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a4%bf-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a5%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-sanjay-chauhan/